ShaneNabi.In
Best Sunni Islamic Website
(बेस्ट सुन्नी इस्लामिक वेबसाईट)

ये ना पूछो किधर जा रही हूं

(हिन्दी मंकबत लीरिक्स)

लिखा हैं (लेखक): शमीम फ़ैजी

सोशल नेटवरकस पर हमें फ़ॉलो करें:

https://youtube.com/@shanenabi
https://www.facebook.com/shanenabi.in
https://www.instagram.com/shanenabi.in
https://twitter.com/ShaneNabi_In

अधिक लीरिक्स और इस्लामी सामग्री के लिए कृपया हमारी वेबसाईट https://shanenabi.in पर जाये
यह लीरिक्स https://shanenabi.in से डाउनलोड/प्रिंट किया गया है
सहायता/अनुरोध के लिए support@shanenabi.in पर हमसे संपर्क करें

ये ना पूछो किधर जा रही हूं
आज मैं अपने घर जा रही हूं

मेरे बच्चों ना आंसू बहाना,
कब्र ही तो है असली ठिकाना
ये ना समझो के मर जा रही हूँ,
आज मैं अपने घर जा रही हूं

सामने रुये सरकार होगा,
कब्र में उनका दीदार होगा
बस यही सोच कर जा रही हूँ,
आज मैं अपने घर जा रही हूं

साथ मेरे नहीं सोना चाँदी,
हाथ मेरे है दोनों खाली
छोड़ कर माल ओ ज़र जा रही हूँ,
आज मैं अपने घर जा रही हूं

दफ़न करके मुझे ना भूलना,
कब्र पर तुम मेरी आना जाना
सुनलो लख्ते जिगर जा रही हुं,
आज मैं अपने घर जा रही हूं

सिर्फ दो गज का जोड़ा पहन कर,
शान से चार कंधो पर हो कर
देखो करके सफ़र जा रही हूँ,
आज मैं अपने घर जा रही हूं

ये ना पूछो किधर जा रही हूं
आज मैं अपने घर जा रही हूं

© ShaneNabi.In